• रोष...

एचआरटीसी पेंशनर्स ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

❖ जिला अध्यक्ष किशोरी लाल की अध्यक्षता में ऊना में आयोजित हुई बैठक

ऊना : हिमाचल पथ परिवहन निगम सेवा निवृत कर्मचारी कल्याण संगठन प्रदेश सरकार द्वारा लंबित चल रहे मसलों को सुलझाने के लिए वार्ता शुरू नहीं करने पर उग्र हो गया है। कल्याण संगठन की आपात बैठक बुधवार को ऊना जिला मुख्यालय के पुराना बस अड्डा परिसर में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष किशोरी लाल ने की। इस मौके पर जहां हिमाचल पथ परिवहन निगम से सेवानिवृत हुए कर्मचारियों की लंबित चल रही मांगों पर विचार मंथन किया गया। जबकि दूसरी तरफ सरकार द्वारा बार-बार अनुरोध किए जाने पर भी वार्ता के लिए नहीं बुलाए जाने पर गुस्सा जाहिर किया गया। कल्याण संगठन ने 5 सितंबर को

सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान भी कर दिया गया है। संगठन के अध्यक्ष किशोरी लाल ने कहा कि सबसे पहली समस्या पेंशन का स्थाई हल है। उन्होंने कहा कि लंबे अरसे से पेंशन का स्थाई हल करने की मांग की जा रही है लेकिन सरकार इस मांग पर संजीदगी से ध्यान ही नहीं दे रही। इसके अलावा इन सभी पेंशनर्स के वित्तीय लाभ साल 2016 से सरकार के पास लंबित चल रहे हैं लेकिन इनको लेकर अभी तक कोई सकारात्मक चर्चा नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम सेवा निवृत कर्मचारी कल्याण संगठन की प्रदेश इकाई सरकार से लगातार वार्ता करने का अनुरोध करती रही लेकिन ना तो डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने उनकी मांग पर ध्यान दिया और ना ही सीएम ने कभी उन्हें सुनने का प्रयास किया। जिसके कारण अब इन पेंशनर्स को संघर्ष का रास्ता अख्तियार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि अब भी सरकार उनकी मांग को मान ले और वार्ता के लिए बुला ले तो इस धरना प्रदर्शन को स्थगित किया जा सकता है।

• संपादकीय...

टीचर्स डे

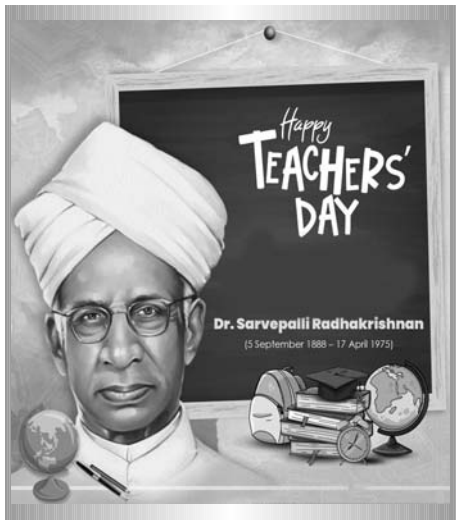

शिक्षक समाज के स्तंभ होते हैं, जो बच्चों को ज्ञानवान और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करते हैं। वे अपने अथक प्रयासों से छात्रों के जीवन को आकार देते हैं और उन्हें सफलता की ओर प्रेरित करते हैं। 5 सितंबर शिक्षक दिवस का दिन, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित करने और शिक्षकों के योगदान को याद करने का दिन है। कहा जाता है कि डॉ. राधाकृष्णन के स्टूडेंट्स और अन्य मित्रों में मिलकर उनके जन्मदिवस को धूमधाम से सेलिब्रेट करने के लिए कहा। लेकिन वह इसके पक्षधर नहीं थे और उन्होंने इसे मनाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि इस दिन अगर सभी शिक्षकों को सम्मान दिया जाना चाहिए न कि मुझ अकेले को। इसके बाद से उनकी जयंती को देश में नेशनल टीचर्स डे के रूप में घोषित कर दिया गया। पहली बार राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 5 सितंबर 1962 को मनाया गया था। अध्यापक हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए शिक्षक को भगवान से ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षक हमें ज्ञान देने के साथ ही जीवन को जीने की कला सिखाते हैं। वे जीवन में होने वाली चुनौतियों से ल?ना सिखाते हैं और भविष्य के बेहतर निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। हमारे जीवन में हर एक चीज की जरूरत है। जैसे- हमारे माता-पिता, हमारे भाई-बहन, हमारा घर और भी बहुत कुछ। ठीक ऐसे ही हमारे जीवन में शिक्षक भी जरूरी हैं। गुरु हमारे जीवन में हमें जिंदगी का सार बताते हैं, वे सिखाते हैं कि कैसे हम ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और इस ज्ञान का कैसे सदुपयोग कर सकते हैं। हमारे जीवन में माता-पिता से भी ऊपर गुरु को दर्जा दिया गया है, क्योंकि एक शिक्षक ही होता है जो एक बच्चे के भविष्य को बनाता है।

■ अनल पत्रवाल
संपादक, हिमाचल अभी अभी

पर्यावरण संरक्षण में एकजुटता से योगदान देने का आह्वान

● पंकज शर्मा/शिमला

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने युवाओं का आह्वान किया है कि पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एकजुट होकर कार्य करें ताकि भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। राज्यपाल चंडीगढ़ में टेड एक्स सुखना लेक' आयोजन को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम गैर-सरकारी संगठन 'आईएम स्टिल ह्यूमन' एवं अन्य द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम 'अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर आयोजित किया गया। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि वर्तमान ही बेहतर भविष्य का निर्माण करता है और युवा शक्ति स्वहित के साथभारत की सनातन परम्परा को आत्मसात कर सुखद भविष्य की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि हरित आवरण में वृद्धि कर पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने युवाओं स आग्रह किया कि नियमित रूप से पौध रोपण करें और रोपित पौधों की शिशु की तरह देखभाल करें। युवाओं को हरित आवरण बढ़ाने में अग्रदूत की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों को अपनाया जाना आवश्यक है। सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण हैं।

शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि सतत विकास समय की मांग है किन्तु विकास के लिए प्रकृति का विनाश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पृथ्वी की सुरक्षा में हम सब का हित निहित है। राज्यपाल ने कहा कि नशा आज भारत सहित समूचे विश्व की ज्वलंत समस्या बन कर उभरा है। नशे पर रोकथाम के लिए समाज को सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा किमानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ युवा ही देश की वास्तविक शक्ति हैं और नशे सेयुवाओं को बचाने के लिए जन आंदोलन बनाना आवश्यक है।

शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि महिला सशक्तिकरण स्थाई विकास की कुंजी है। आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार युक्त शिक्षा युवाओं के चरित्र निर्माण का आधार है। चारित्रिक रूप से मजबूत युवा देश की वास्तविक धरोहर हैं और ऐसे युवा ही महिला सशक्तिकरण के संवाहक हैं। उन्होंने कहा की भारतीय जीवन पद्धति का अनुसरण जहां जीवन मूल्यों को स्थापित कर वर्तमान एवं भविष्य को सुरक्षित रख सकता है वहीं युवाओं की क्षमता विकास में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास गौरवमयी रहा है और हम सभी को देश के इतिहास से सीख लेकर विकास पथ पर अग्रसर होना है। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि देश के समग्र विकास के लिए युवाओं से अनेक अपेक्षाएं हैं। उन्होंने युवाओं को समय-समय पर आत्म निरीक्षण कर आत्म सुधार करने का परामर्श दिया, ताकि युवा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए देश की प्रगति के सूत्रधार बन सकें। उन्होंने कहा कि युवा जीवन पथ पर सदैव संवेदनशील बने रहें और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने सामाजिक प्रगति मेंटेड एक्स जैसे मंच की भूमिका की सराहना की।

शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि सतत विकास समय की मांग है किन्तु विकास के लिए प्रकृति का विनाश नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पृथ्वी की सुरक्षा में हम सब का हित निहित है। राज्यपाल ने कहा कि नशा आज भारत सहित समूचे विश्व की ज्वलंत समस्या बन कर उभरा है। नशे पर रोकथाम के लिए समाज को सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा किमानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ युवा ही देश की वास्तविक शक्ति हैं और नशे सेयुवाओं को बचाने के लिए जन आंदोलन बनाना आवश्यक है...

सीएम सुक्खू से भेंट

शिमला : फ्रांस के राष्ट्रीय कृषि, खाद्य एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान (आईएनआरएई) के चार वैज्ञानिकों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट की। एलआईएसआईएस के उप निदेशक प्रो. एलिसन मैरी लोकोंटो के नेतृत्व में टीम में शोधकर्ता प्रो. मिरेइल मैट, डॉ. एवलिन लोस्टे और डॉ. रेनी वैन डिस शामिल हैं। वह प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए हिमाचल प्रदेश के दौरे पर आए हैं। बैठक के दौरान सीएम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। हिमाचल प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाए गए उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य है।

• व्यवस्था...

ऑनलाइन हाजिरी

शिमला : प्रदेशभर के स्कूलों का निरीक्षण और अन्य जानकारी के लिए तैयार की गई शिक्षा साथी एप बंद कर दी है। वहीं अब इसकी जगह आधुनिक विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) को शुरू कर दिया गया है। इसमें प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यालयों का पूरा रिकॉर्ड अपलोड होगा। प्रत्येक छात्र का अलग से डाटा बेस तैयार किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों की हाजिरी समेत अन्य गतिविधियों की रिपोर्ट भी ऑनलाइन अपलोड होगी। वर्तमान में बायोमीट्रिक और वीएसके दोनों माध्यम से अध्यापकों की हाजिरी लग रही है। एक-दो माह में विद्यार्थियों की हाजिरी भी इसमें शुरू हो जाएगी। जानकारी के अनुसार वीएसके में प्रत्येक छात्र का अलग से डाटा बेस तैयार किया जाएगा। इसके लिए एक फॉर्मेट बनाया गया है जिसमें प्रत्येक छात्र और अध्यापकों से जुड़ी करीब 35 जानकारियां मांगी गई हैं। इसमें सभी स्कूलों को संबंधित जानकारी जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में देनी होगी। पहली से 12वीं कक्षा तक प्रत्येक छात्र के अलग-अलग निर्धारित फॉर्मेट में यह जानकारी दी जाएगी। इससे प्रत्येक छात्र की मॉनिटरिंग की जाएगी।

• कच्चा मकान जमींदोज...

■ *हमीरपुर जिले की ग्राम पंचायत बगवाड़ा के समलेड़ा गांव में सुबह दो कमरों का कच्चा मकान जमींदोज हो गया और एक व्यक्ति मलबे में दब गया। बाद में लोगों ने संदीप कुमार पुत्र धनी राम को सुरक्षित निकाल लिया गया। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल को भोरंज अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के समय मकान में एक ही व्यक्ति मौजूद था। बताया जा रहा है कि मकान का मालिक बीपीएल श्रेणी से संबंध रखता है। मकान गिरने से उसके पास न सोने के लिए बिस्तर है, न खाने के लिए अनाज बचा है। व्यक्ति इस मकान में अकेला ही रहता था। व्यक्ति के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है।*